TheHitavada
Nagpur City Line | 2022-08-26 | Page- 3
ehitavada.com

46th Foundation Day of ICAR-NBSS&LUP on 27th

Dr B S Dwivedi, Director, ICAR-NBSS&LUP addressing a press conference, on Thursday.

■ **Staff Reporter**

ICAR-National Bureau of Soil Survey and Land Use Planning (ICAR-NBSS&LUP), Nagpur is celebrating its 46th foundation day on August 27 at it campus.

Dr B S Dwivedi, Director, ICAR-NBSS&LUP at a press conference, on Thursday, informed that Union Minister Nitin Gadkari would be the chief guest of the programme. Dr Himanshu Pathak, Director General and Secretary DARE, and Dr S K Chaudhari, Deputy Director General (NRM) ICAR, New Delhi will be the Chairman and Guest of Honour of the function respectively.

Dr CD Mayee, Former Chairman, Agricultural Scientist Recruitment Board (ASRB) will grace as the special invitee.

Dr Dwivedi further elaborated, the natural resources like soil, water and vegetation are facing threat of degradation and destruction because of increasing demographic pressures, especially in the developing countries.

The over exploitation of the fragile land resources has led to the deterioration of the quality of soil and other land resources at a rapid rate, threatening the sustainability of the resource base, he said.

The Bureau is collecting and documenting the information on land resources of India for the last 45 years for the benefit of the developmental agencies of state departments, farmers and other user agencies, he added.

The press conference was also attended by the Heads of the Divisions - Dr N G Patil, Dr M S S Nagaraju, Dr Pramod Tiwari, Principal Scientists - Dr Obi Reddy, Dr Kartikeyan, Dr M S Raghuvanshi, Dr Nirmal Kumar, Dr Shekhar Neemkhedkar, Prakash Ambekar and Dr Anand Nagar.

Powered by iDocuments

वाटरशेड विकास योजना को विश्व बैंक ने भी अपनाया : डॉ. द्विवेदी

▪ भाकृअनुप-एनबीएसएस और एलयूपी का स्थापना दिवस समारोह कल

भास्कर संवाददाता | नागपुर

भाकृअनुप-राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग योजना ब्यूरो, नागपुर की वाटरशेड विकास योजना पर कर्नाटक सरकार ने अमल किया। वाटरशेड विकास योजना में तकनीकी सहायता से लाखों किसानों को मिट्टी और जल संसाधनों के स्थायी प्रबंधन के साथ कृषि उत्पादकता बढ़ाने में लाभ हुआ है। विश्व बैंक ने इस विकास मॉडल को अपनाया है और अन्य विकासशील देशों में एलआरआई की वकालत की है। यह बात ब्यूरो के निदेशक डॉ बी एस द्विवेदी ने कही। उन्होंने बताया कि 27 अगस्त को ब्यूरो 46वां स्थापना दिवस मनाएगा। ब्यूरो के निदेशक डॉ बी एस द्विवेदी ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितीन गडकरी होंगे। महानिदेशक और सचिव डेयर, डॉ हिमांशु पाठक, डॉ एसके चौधरी, उप महानिदेशक (एनआरएम) आईसीएआर नई दिल्ली क्रमशः समारोह के अध्यक्ष और विशेष अतिथि होंगे। डॉ सीडी माई, पूर्व अध्यक्ष कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड (एएसआरबी) विशेष आमंत्रित के रूप में समारोह में शामिल होंगे।

ब्यूरो के निदेशक डॉ द्विवेदी ने बताया कि राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण और भूमि उपयोग योजना ब्यूरो (आईसीएआर-एनबीएसएस और एलयूपी), नागपुर की स्थापना 1976 में तत्कालीन अखिल भारतीय मृदा और भूमि उपयोग सर्वेक्षण संगठन (एआईएस और एलयूएस) से कृषि और किसान मंत्रालय के डेयर / आईसीएआर के तहत की गई थी। कल्याण। ब्यूरो का प्राथमिक उद्देश्य संबंधित संस्थान और एजेंसियों के सहयोग से वैज्ञानिक और इष्टतम कृषि भूमि उपयोग कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए देश की मिट्टी का सर्वेक्षण और मानचित्रण करना है। ब्यूरो के पास देश के पांच क्षेत्रों के लिए बंगलौर, दिल्ली, जोरहाट, कोलकाता और उदयपुर में स्थित पांच क्षेत्रीय केंद्र हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में विभागाध्यक्ष डॉ. एनजी पाटील, डॉ एमएसएस नागराजू, डॉ प्रमोद तिवारी, प्रमुख वैज्ञानिक डॉ ओबी रेड्डी, डॉ कार्तिकेयन, डॉ एम.एस. रघुवंशी, डॉ निर्मल कुमार, डॉ शेखर नीमखेड़कर, प्रकाश आंबेकर और डॉ आनंद नागर प्रमुखता से उपस्थित थे।